नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ऋग्वेदीय दार्शनिक भावना का निरूपण कीजिए ।
2. सामवेदीय ब्राह्मणों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।
3. निरूक्त क्या है ? क्या निरूक्त वेदार्थ–ज्ञान में सहकारी है ? स्पष्ट कीजिए ।
4. शाखा का अर्थ स्पष्ट करते हुए ऋग्वेद की शाखाओं पर प्रकाश डालिए ।
5. अरण्यक साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।
6. 'व्याकरण' नामक वेदांग का परिचय दीजिए ।
7. तैतिरीय संहिता–मैत्रायणी संहिता का परिचय दीजिए ।
8. ब्राह्मण साहित्य का संक्षेप में सारगर्भित परिचय दीजिए ।
9. रामायण–महाभारत का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए ।
10. कृष्णयजुर्वेदीय आख्याकों का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2023
M.A. Sanskrit, Part-I

Date	Papers	Time	Examination Centre
30.05.2023	Paper–I	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
01.06.2023	Paper–II	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
03.06.2023	Paper–III	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
06.06.2023	Paper–IV	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
08.06.2023	Paper–V	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
10.06.2023	Paper–VI	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
13.06.2023	Paper–VII	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
15.06.2023	Paper–VIII	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० संस्कृत
पार्ट–I, पत्र–II
(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)
वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भक्तिमूलक गीतिकाव्य में स्रोत–साहित्य का मूल्यांकन कीजिए ।
2. महाकाव्य की परिभाषा देते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
3. महाकवि शूद्रक की यथार्थवादिता 'मृच्छकटिकम' के आधार पर सिद्ध कीजिए ।
4. 'भारवेरर्थ गौरवम्' अथवा 'माघेसन्ति त्रयो गुणाः' का विवेचना कीजिए ।
5. गीति काव्य परम्परा में 'मेघदूत' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए ।
6. लोक–कथा का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
7. कालिदास के नाटकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
8. ''उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारवि''– इस उक्ति का विवेचन कीजिए ।
9. वृहत्कथा से आप क्या समझते हैं ? उसके संस्करण रूपों पर प्रकाश डालिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) महामहोपाध्याय रामावतार शर्मा
    (ख) वाणभट्ट

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान तथा लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भाषा और विभाषा के अन्तर का सम्यक् निरूपण कीजिए ।
2. ध्वनि नियम से आप क्या समझते हैं ? विभिन्न भाषाओं की ध्वनि व्यवस्था के विषय में जानकारी दीजिए ।
3. साहित्यिक प्राकृतों की ध्वन्यात्मक विशेषताओं का परीचय दीजिए ।
4. 'भाषा वाचिक प्रतीकों की संघटना है' इसकी सविस्तार व्याख्या कीजिए ।
5. पालिभाषा के नामकरण पर विचार करते हुए पालिभाषा की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।
6. वाक्य के अभिलक्षणों का विवेचन कीजिए ।
7. ग्रिमनियम का उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए ।
8. कारक के भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
9. नागरी लिपि की वैज्ञानिकता का विवेचना सोदाहरण कीजिए ।
10. स्वरों का वर्गीकरण कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–क (भारतीय दर्शन)

1. भारतीय दर्शन–सम्प्रदायों की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
2. वेदान्त दर्शन में जीव सम्बंधी धारणा को स्पष्ट कीजिए ।
3. अष्टांगिक मार्ग का विस्तार से परिचय दीजिए ।
4. पुरूष एक है या अनेक ? साख्य–दर्शन के अनुसार युक्ति–सहित विवेचन कीजिए ।
5. अनेकान्तवाद का निरूपण कीजिए ।

खण्ड–ख (भारतीय संस्कृति)

6. उत्तर वैदिक युग में विज्ञान की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।
7. ऋग्वैदिक समाज का परिचय दीजिए ।
8. शैशव संस्कारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
9. पुरूषार्थ के रूप में अर्थ और काम का निरूपण कीजिए ।
10. उत्तरवैदिक संस्कृति का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेत्तर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. जैन आगम साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
2. भारतेन्दु काल का परिचय दीजिए ।
3. पालि के वंश साहित्य का परिचय दीजिए ।
4. भक्ति साहित्य की विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।
5. तमिल साहित्य में भक्ति युग का परिचय दीजिए ।
6. मराठी संत काव्य का सविस्तार परिचय दीजिए ।
7. अर्धमागधी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।
8. अनुपिटक साहित्य का परिचय दीजिए ।
9. तेलुगु साहित्य के अन्यतम कवि 'पोतना' का परिचय दीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए –
    अपभ्रंश कृष्ण–काव्य, चैतन्यदेव, कबीरदास, तुलसीदास ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत
पार्ट–I, पत्र–VI
(संस्कृत व्याकरण)
वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वर्णों के उच्चारण–स्थान से क्या तात्पर्य है ? कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य और दन्त्य वर्णों की विवेचना कीजिए ।
2. कारक किसे कहते हैं ? उनके नाम और विभक्ति का उल्लेख करते हुये पंचमी विभक्ति विषयक पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
3. व्यंजन सन्धि किसे कहते हैं । व्यंजन संधि विषयक किन्हीं पाँच सूत्रों का उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए ।
4. सन्धि की परिभाषा देते हुये स्वर संधि के भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए ।
5. बहुब्रीहि समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
6. माहेश्वर सूत्रों का उल्लेख करते हुये उनकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए । माहेश्वर सूत्र से आप क्या समझते हैं ?
7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) ससजुषोरूः (ii) आद्‌गुणः
   (iii) अतो रोरन्लुतादप्लुते (iv) एङि पररूपम्
   (v) रोरि (vi) इको यणचि
8. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पदरूपों का समास विग्रह पूर्वक रूप सिद्धि कीजिए :–
   (i) भूतपूर्वः (ii) नरवभिन्नः
   (iii) परमराजः (iv) पितरौ
   (v) रूपवद्‌भार्यः (vi) प्राचार्यः
   (vii) पीताम्बरः (viii) द्वित्राः
9. सूत्रनिर्देश पूर्वक किन्हीं चार पदों की रूपसिद्धि कीजिए :–
   (i) गङ्गौधः (ii) ब्रह्मर्षिः (iii) मनीषा (iv) प्रेजते
   (v) मनोरथः (vi) पावकः (vii) उपेन्द्रः (viii) दैत्यारिः
10. निम्नलिखत में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ii) कालाध्वनोरत्यन्त संयोगे (iii) सहयुक्तेऽप्रधाने
   (iv) चतुर्थी सम्प्रदाने (v) जनिकर्तुः प्रकृतिः (vi) षष्ठी शेषे
   (vii) यस्य च भावे भावलक्षणम् (viii) आधारोऽधिकरणम्

ဢ ဢ ဢ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. व्यंजना शक्ति का परिचय दीजिए ।
2. ध्वनि–सिद्धान्त की स्थापनाओं का मूल्यांकन कीजिए ।
3. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' इस काव्य लक्षण को पल्लवित करते हुये उसकी सम्यक् समीक्षा कीजिए ।
4. 'रीतिरात्माकाव्यस्य' कथन की समीक्षा कीजिए ।
5. 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'–इस काव्य लक्षण की विवेचना कीजिए ।
6. चित्रकाव्य के सम्बन्ध में आचार्यों के विचार का मूल्यांकन कीजिए ।
7. रसवादी आचार्यों के अनुसार काव्यगुणों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
8. दण्डी और भामह कृत काव्य लक्षणों की समीक्षा कीजिए ।
9. गद्य काव्य के कितने भेद हैं ? प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए :–
    (क) विशेषोक्ति (ख) विभावना
    (ग) यमक (घ) अनुप्रास

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I पत्र-VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
(क) संगणकः (ख) अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवसः (ग) संस्कृत भाषायाः महत्त्वं

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
(i) मोहन लेखनी से लिखता है । (ii) बालक को दूध अच्छा लगता है।
(iii) दशरथ के चार पुत्र थे । (iv) हमें अपने देश की रक्षा करनी चाहिए ।
(v) वह घर जाकर भोजन करेगा । (vi) वह गाँव जाते हुये तृण को छूता है ।
(vii) मैं विद्यालय जाना चाहती हूँ । (viii) सीता राम के साथ वन जाती है ।
(ix) तुम लोग काम करते हो । (x) हम ईश्वर को प्रणाम करते हैं ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
परितः, विद्यालयात्, श्वः, पठित्वा, गच्छन्, नमः, सार्धम्, निकषा, अवश्यम्, कर्तुम्, उत्थाय, विद्वान्

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–
स्वतन्त्रता–दिवसः भारतवर्षसय राष्ट्रियः उत्सवः अस्ति। अयम् उत्सवः अगस्तमासस्य पञ्चदश्यां तिथौ भवति। पूर्वं भारतदेशः पराधीनः आसीत्। अस्मिन् एव दिवसे 1947 तमे वर्षे अस्माकं देशः स्वतन्त्रोऽभवत्। अतएव भारतीयाः प्रतिवर्षं एतस्मिन्नेव दिवसे इमम् उत्सवं समायोजयन्ति। लोकमान्यः बालगङ्गंगाधर तिलकः, महात्मा गांधी, राजेन्द्र प्रसादः, बल्लभभाई पटेलः, जवाहरलालनेहरूः एते अन्ये च अनेके महापुरूषाः भारतदेशस्य स्वतन्त्रतायै महान्तं प्रयत्नमकुर्वन्। भारतस्य स्वतन्त्रतायै भगतसिंहसुखदेवादयः अनेके देशभक्ताः स्वप्रणान् अत्यजन्। दिल्लीनगरे एतस्य उत्सवस्य शोभा अतीव रमणीया भवति। एतस्मिन् दिवसे प्रातः लालकिलानामके दुर्गप्रकारे अस्माकं देशस्य प्रधानमंत्री ध्वजारोहणं करोति। ध्वजारोहणानन्तरं प्रधानमंत्री देशवासिनः सन्दिशति। शत्रौ विद्युद्दीपकैः सर्वाणि राष्ट्रियभवनानि शोभन्ते। एतस्मिन्नेव दिवसे वयं प्रतिज्ञां कुर्मः यद् वयं श्रेष्ठाः नागरिकाः भविष्यामः भारतस्य सर्वविधविकासाय प्रयत्नशीलाः भविष्यामः अस्य च स्वतन्त्रतां प्राणपणेन रक्षिष्यामः च।

प्रश्नाः– (i) भारतवर्षस्य राष्ट्रियः उत्सवः कोऽस्ति ? (ii) स्वतन्त्रतादिवसः कदा सम्पद्यते ?
(iii) भारतभूमेः स्वतन्त्रायै के महान्तं प्रयत्नमकुर्वन् ? (iv) भारतस्य स्वतन्त्रायाः कृते के प्राणान् अत्यजन् ?
(v) प्रधानमंत्री कुत्र ध्वजारोहणं करोति ? (vi) स्वतन्त्रतादिवसे अस्माभिः का प्रतिज्ञा कर्त्तव्या ?
(vii) रात्रौ सर्वाणि राष्ट्रियभवनानि कथं शोभन्ते ? (viii) अस्य अनुच्छेदस्य समुचितं शीर्षकं लिखत ?

5. संस्कृत के महत्त्व का वर्णन करते हुए अपने मित्र को ***संस्कृत*** में एक पत्र लिखिए ।

6. अपने पिता को अपनी वार्षिक परीक्षा का परिणाम सूचित करने हेतु एक पत्र लिखिए ।

7. उचित शीर्षक देते हुये निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :–
सर्वे जनाः स्वप्रतिष्ठायै यतन्ते । परं हि नाम लिङ्गविशेषेण, वयसः आधिक्येन वा पूजार्हत्वं न प्राप्यते । बालो वृद्धो वा पुरूषः स्त्री वा सममेव अस्माकं पूजायाः पात्रमस्ति इति यदि तेषु गुणाः वर्तन्ते । कस्यापि पूजा स्त्रीत्वेन पुरूषत्वेनैव वा केवलं न भवति । स्त्रीषु अहल्याबाई लोकातिगौरवान्विता । लक्ष्मीबाई च भारतदेशे कस्मादपि पुरूषान्न्यूनत्वेन न दृष्टा । कामपि गुणविहीनां स्त्रीत्वेन केवलम् अल्पमतयः पूजयन्ति । गुणस्तु शाश्वतो नित्यः सनातनश्च यथा स्वर्णमयानि वस्तूनि बहवः क्रीणन्ति, तथैव गुणवान् पुरूषो जनानामादरं लभते ।

वृद्धः धनिकोऽपि वा जनः यदि गुणविहीनः स आदरं पूजां वा नार्हति। नोचितं केवलं वृद्धत्वं पूजार्हम् । बालगुणान् बालकानापि महर्षयः पूजयन्ति । अल्पवयसं रामम् ऋषयः सर्वे सादरं पूजितवन्तः । ध्रुवस्तु सर्वेषाम् ऋषीणाम् आदरपात्रम् अभूत् । गुरूगोविन्दसिंहस्य स्वधर्मरक्षकौ द्वौ पुत्रौ कोटभितौ विद्यार्थिभिः निवेशितौ अधुनापि किन्नार्हतः पूजाम् ? अभिमन्युकथा बालकानां शूराणां च सहैव पूज्यत्वं भजते । पण्डितस्य अष्टावक्रस्य बालत्वं पूज्यत्वं नाधिक्षिपति ।

8. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
पुरा मथुरायाम् एकः नृशंसः नृपतिः अभवत् । तस्य नाम कंसः आसीत् । तस्य एका देवकी नाम भगिनी आसीत् । वसुदेवेन सह देवक्याः विवाहः अभवत् । प्रस्थानकाले आकाशवाणी अभवत्–''देवक्याः पुत्रः कंसस्य घातकः भविष्यति । तदा कंसः देवकीम् वसुदेवं च कारागारे अक्षिपत् । कंसः तस्याः नवजातान् शिशून सदैव अमारयत् । परं यदा कारागारे श्रीकृष्णः उत्पन्नः अभवत् तदा भाद्रपदमासस्य कृष्णपक्षस्य अष्टमी तिथिः आसीत् ।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
(i) ..... समं न हि किञ्चित् (ज्ञानेन, ज्ञानस्य) (ii) अद्य ..... महाविद्यालये महोत्सवः विद्यते (माम्, मम)
(iii) .....पन्थानं पृच्छति। (माणवके, माणवकं) (iv) .....स्वच्छतया कार्यं कुरूतम् (युष्मान्, युष्माभिः)
(v) .....धैयर्म् अधिकम् (त्वयि, तुभ्यम्) (vi) शिक्षिका.....बोधयति (युष्मान्, यूयम्)
(vii) .....कतमः न्यायस्य पण्डितः अस्ति (अस्माकम्, अस्मासु) (viii) तडागे ..... जलम् अस्ति (कति, कियत्)
(ix) ..... पठितुं वाञ्छामि (भवतः, भवान्) (x) ..... रामायणं लिखितवान् (केन, कः)
(xi) ..... साकं कः गच्छति (रामस्य, रामेण) (xii) ..... मम गृहम् अस्ति (अयम्, इदम्)
(xiii) ..... बालकस्य पिता देहल्यां तिष्ठति (तस्य, तेन) (xiv) कालिदासेन ..... नाटकानि रचितानि (त्रीणि, त्रयः)
(xv) रूदतः ..... माता कार्यालयम् जगाम (पुत्रस्य, पुत्रम्) (xvi) ..... पठनं रोचते (त्वं, तुभ्यम्)

10. (क) निम्नलिखित पदों के विग्रह कीजिए :–
पीताम्बरः, महात्मा, दशाननः, दम्पती, केशाकेशि, प्राचार्यः, चन्द्रमुखी, त्रिभुवनम्

(ख) निम्नलिखित अनेक शब्दों के स्थान पर एक पद लिखिए :–
(i) व्याघ्र इव आचरति । (ii) प्रश्नं करोति । (iii) नमः करोति । (iv) लब्धा प्रतिष्ठा येन सः ।
(v) अद्रुमः द्रुमः भवति । (vi) अल्पा बुद्धिः यस्य सः । (vii) वसुदेवस्य अपत्यं पुमान् । (viii) पठितुम् इच्छति ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-IX

(वेद तथा उपनिषद)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. पिन्ड तत्त्व और ब्रह्माण्ड तत्त्व क्या है ? दोनों के परस्पर सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए ।
2. 'सांमनस्यम्' का सार प्रस्तुत कीजिए ।
3. 'पंचक' क्या है' ? विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए ।
4. शान्तिपाठ का तात्पर्य स्पष्ट करते हुये इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।
5. इन्द्र की चारित्रिक स्वरूप का वर्णन कीजिए ।
6. याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को क्या–क्या उपदेश दिये ?
7. वैदिक देवता के रूप में सूर्य का परिचय दीजिए ।
8. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं ***दो*** मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
   (क) येन अहं न अमृता सयाम् किमहं तेन कुर्याम ।
   (ख) अस्यैवैतानि सर्वाणि निःश्वासितानि ।
   (ग) ग्रहणाय वीणायै तु ग्रहणेन वीणावादस्य या शब्दोगृहीत ।
   (घ) शड्ख्स्य तु ग्रहणेन शड्खध्यात वा शब्दो गृहीतः ।
9. स्वाध्याय और प्रवचन के पारस्परिक स्वरूप को समझाइये ।
10. अधोलिखित मंत्रों को संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
    (क) अग्निनां रयिमंश्नवत पोषंमेव दिवे दिंये ।
    यशसं वीरवत्तमम् ।।
    (ख) अनुंव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भंवतु संमंनाः ।
    जाया पत्ये मधुमतीं वाचं बदतु शन्तिवाम् ।।

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2023

M.A. Sanskrit, Part-II

Date	Papers	Time	Examination Centre
30.09.2023	Paper–IX	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
04.10.2023	Paper–X	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
06.10.2023	Paper–XI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
09.10.2023	Paper–XII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
12.10.2023	Paper–XIII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
14.10.2023	Paper–XIV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
17.10.2023	Paper–XV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
19.10.2023	Paper–XVI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वाल्मीकि कृत रामायण के किष्किन्धा काण्ड की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।
2. महाभारत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
3. स्थितप्रज्ञ के लक्षण लिखिए ।
4. नीतिकाव्यों और उपदेशकाव्यों में अन्तर पर प्रकाश डालिए ।
5. भगवत्प्राप्ति के साधनों का उल्लेख कीजिए ।
6. दुर्जनों के लक्षण अपने शब्दों में लिखिए ।
7. विदुर नीति के स्रोत एवं विषय–वस्तु को विस्तार से समझाइए ।
8. गीता के द्वादश अध्याय के आधर पर साकार ब्रह्मा के लक्षण का वर्णन कीजिए ।
9. संस्कृत के प्रमुख महाकाव्यों के विषय में संक्षेप में बताइये ।
10. अधोलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–

    (क) उपकारेण वीरो हि प्रतीकारेण यृज्यते
    अकृतज्ञोऽप्रतिकृतो हन्ति सत्त्वषतां मनः

    (ख) संतुष्ट सततं योगी यतात्मा दृढ़निश्चयः ।
    मययर्पित मनोबुद्धिर्योमद्भक्त स मे प्रिय ।।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पदों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :–
   (क) तामङ्गनां प्रेक्ष्य च विप्रलब्धा निःश्वस्य भूयः शरणं प्रपेदे ।
   विवर्ण–वक्त्रा न रराज चाशु विवर्ण–चन्द्रेव हिमागमे द्यौः ।।
   (ख) मा स्वामिन स्वामिनी दोषतो गाः प्रियं प्रियार्ह प्रियकारिणं तम् ।
   न स त्वदन्यां प्रमदाम् अवैति स्व–चक्रवाक्या इव चक्रवाक ।।
   (ग) वैदर्भ निर्दिष्टमसौ कुमारः क्लृप्तेन सोपानपथेन मञ्चम् ।
   शिलाविभङ्गैः मृगराजशावः तुङ्ग नगोत्सङ्म मिवारूरोह ।।
   (घ) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न संक्षृणुते स किं प्रभुः ।
   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपएवमात्येषु च सर्वसम्पदः ।।
2. निम्न पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) तेषां महार्हासनसंस्थितानाम् उदार–नेपथ्यभृतां समध्ये ।
   रराज धाम्ना रघुसुनुरेव कल्पद्रुमानामिव पारिजातः ।
   (ख) सूर्य एवास्ति केन्द्रं समासांभुवाम् इन्दवे सैव दत्ते तथा कौमुदीम्।
   आत्मजोऽहं तदीयोऽस्मिन् दिव्योऽपरः काऽस्ति कीदृग्व्यथामेऽत्र दिव्यात्मनः।।
   (ग) तासु श्रिया राज–परम्परासु प्रभा–विशेषोदय–पुर्निरीक्ष्यः ।
   सहस्रधात्मा व्यरूचत् विभक्त : पयोमुचां पंक्तिषु विधुतेन ।।
   (घ) स तु त्वदर्थ गृहवासभप्सनु जिजीविषुः त्वत्परितोष–हेतो : ।
   भ्रात्रा किलार्येण तथागतेन प्रवाजितो नेत्र–जलार्द्र–वकत्रः ।।
3. 'किरातार्जुनीयम्' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।
4. बुद्धचरित और सौन्दरनन्द में बौद्धधर्म की विवृति के कारण काव्य–सौष्ठव प्रभावित है, क्या आप सहमत हैं ? विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए ।
5. कालिदास के महाकाव्यों का वर्णन कीजिए ।
6. 'राधेयोऽस्भि वास्मि पार्थो वा' कविता के वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए ।
7. बौद्ध काल में संस्कृत काव्य रचना का विवेचन कीजिए ।
8. अश्वघोष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।
9. वनेचर द्वारा वर्णित दुर्योधन के शासन का परिचय दीजिए ।
10. ''महाभारत को विकासमान महाकाव्य (epic of growth) कहा गया है''– इस कथन की विवेचना कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. संस्कृत साहित्य में बाणभट्ट का स्थान निर्धारित कीजिए ।
2. निम्नलिखित संदर्भों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) दिवसकरगतिरिव प्रकटितविविध–संक्रान्ति ।
   (ख) अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरूषं प्रकृतिः ।
3. निम्नलिखित गद्यांशों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :–
   (क) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपयोगमृगतृष्णिका नवयौवनकर्षायतात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः ।
   (ख) सततमूलमन्त्रशम्यः विषमो विषयविषास्वादमोहः । नित्यमस्नानशौचबाध्यः बलवान् रागमलावलेपः । अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपातनिन्द्रा भवति, इत्यतः विस्तरेणाभिधीयसे ।
4. लक्ष्मी के दोषों के कारणों पर बाण के विचारों का निरूपण कीजिए ।
5. मैत्रीबल जातक के आधार पर राजा मैत्रबल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
6. आर्यशूर की काव्य शैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
7. निम्नलिखित सन्दर्भों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) तस्य बुद्धिरभवत्–अतिसभाग्यास्ते सत्पुरुषविशेष ये विस्त्रम्भ–निर्यन्त्रण–प्रणयमर्थिभिः स्वगात्राण्यपि याचयन्ते । मम पुनः प्रत्याख्यान–रूक्षाक्षर–वचन–सन्तर्जित इवार्थिजनो धनमात्र के प्रगल्भप्रणयः संवृत्त इति ।
   (ख) अथ तस्य राज्ञः क्रमात् संरूढनयन–व्रणस्य अवगीत–प्रतनूभूतान्तःपुर–पौर–जानपदशोकस्य प्रविवेककामत्वाद् उद्यान–पुष्करिण्यास्तीरे कुसुम–भारावनत–रूचिर–तरूवरनिशिते मृदु–सुरभि–शिशिर–सुखपवने मधुकर–गणोपकूजिते पर्यङ्केण निषण्णस्य शक्रो देवेन्द्रः पुरस्तात् प्रादुरभवत् ।
8. शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास में वर्णित गौरसिंह की विशेषताओं और कार्यों का विवरण दीजिए ।
9. व्याघ्रीजातक की कथा एवं इसके संदेश का निरूपण कीजिए ।
10. पं० रामकरण शर्मा की कृतियों एवं उनकी शैली का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II
पत्र-XIII
(संस्कृत रूपकम्)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. नायक एवं नायिका को परिभाषित करते हुये उनके भेदों पर प्रकाश डालिए ।
2. 'मृच्छकटिकम्' की कथा–वस्तु का विवेचन कीजिए ।
3. 'मुद्राराक्षस' के कथावस्तु की मीमांसा कीजिए ।
4. नाटक में नान्दी पाठ एवं भारत वाक्य पर एक निबन्ध लिखिए ।
5. 'उत्तररामचरित' के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए ।
6. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' के चतुर्थ अंक में कवि द्वारा करूणा की धारा बहायी गयी है'— स्पष्ट कीजिए ।
7. रूपक के भेदों का परिचय दीजिए ।
8. 'अपूर्वः प्रतिशोध' के आधार पर अश्वत्थामा का चरित्र–चित्रण कजिए ।
9. 'नीड निर्माणाम्' के कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।
10. संस्कृत में व्याख्या कीजिए :—

    नीडोऽयं महता प्रयासेन निर्मितः किन्तु एतस्मात् सर्वे रखा उपेताः । हा हन्त । कीदृशी ते लीला भगवन् ।

<u>**आवश्यक सूचना**</u>

आपको ज्ञात है कि आपके पाठ्यक्रम की परीक्षा दिनांक 30.09.2023 से संचालित है, जिसमें Paper-IX की परीक्षा दिनांक 30.09.2023 को प्रथम एवं द्वितीय पाली में आयोजित हुयी । आप में से कतिपय परीक्षार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से लिखित रूप में (BPSC Admit Card के साथ) यह अनुरोध किया था कि उक्त दिवस को हीं BPSC की परीक्षा बिहार के विभिन्न जिलों में आयोजित है । लिखित रूप में प्राप्त अभ्यावेदन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुये विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि, दिनांक 30.09.2023 की परीक्षा से वंचित वैसे परीक्षार्थी जिन्होंने अपना BPSC Admit विश्वविद्यालय में जमा कर दिया है, **वे दिनांक 18.10.2023 को अपराह्न 2.30 से 5.30 के बीच आयोजित की जाने वाली Paper-IX की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं** । परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए परीक्षार्थियों को **500/— रुपये** का बैंक ड्राफ्ट या SBI Collect का चालान या POS की रसीद के साथ उपस्थित होना होगा ।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II
पत्र-XIV
(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** शब्द–युग्मों का अर्थ–भेद बताइए :–
   (क) किंकरा–किंकरी (ख) पाणिगृहीता–पाणिगृहीती
   (ग) स्थला–स्थली (घ) चन्द्रमुखा–चन्द्रमुखी
   (ङ) उपाध्याया–उपाध्यायी
2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पदों के रूप सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए :–
   (क) किशोरी (ख) पृथ्वी
   (ग) मातुलानी (घ) शूर्पनखा
   (ङ) सीमा
3. निम्नलिखित पद्रूपों का सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए :–
   (क) लभ्यम् (ख) चयेम्
   (ग) अमावस्या (घ) स्तुत्यः
4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तरि कर्मव्यतिहारे (ख) विपराभ्यां जेः
   (ग) समवप्रविभ्यः (घ) उपान्मन्त्रकरणे
   (ङ) आङ उद्गमने
5. निम्नलिखित पदरूपों में से किन्हीं ***चार*** पदों की सिद्ध सूत्रनिर्देशपूर्वक कीजिए :–
   (क) श्वश्रूः (ख) गार्ग्यायणी
   (ग) इन्द्राणी (घ) नर्तकी
   (ङ) नारी
6. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे (ख) ईद्यति
   (ग) तयोरेवकृत्यक्तखलर्थाः (घ) वाऽसरूपोऽस्त्रियाम्

खण्ड–"ब"

7. पूर्वकालिक एवं निमित्तार्थक कृत्प्रत्ययों की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।
8. परस्मैपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
9. स्त्री प्रत्यय कितने हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
10. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :–

    उणादि, भाववाचक कृत्, भविष्यकालिक कृत्, निमितार्थक कृत्

आवश्यक सूचना

आपको ज्ञात है कि आपके पाठ्यक्रम की परीक्षा दिनांक 30.09.2023 से संचालित है, जिसमें Paper-IX की परीक्षा दिनांक 30.09.2023 को प्रथम एवं द्वितीय पाली में आयोजित हुयी । आप में से कतिपय परीक्षार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से लिखित रूप में (BPSC Admit Card के साथ) यह अनुरोध किया था कि उक्त दिवस को हीं BPSC की परीक्षा बिहार के विभिन्न जिलों में आयोजित है । लिखित रूप में प्राप्त अभ्यावेदन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुये विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि, दिनांक 30.09.2023 की परीक्षा से वंचित वैसे परीक्षार्थी जिन्होंने अपना BPSC Admit विश्वविद्यालय में जमा कर दिया है, **वे दिनांक 18.10.2023 को अपराह्न 2.30 से 5.30 के बीच आयोजित की जाने वाली Paper-IX की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं ।** परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए परीक्षार्थियों को **500/– रुपये** का बैंक ड्राफ्ट या SBI Collect का चालान या POS की रसीद के साथ उपस्थित होना होगा ।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II
पत्र-XV
(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)
वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक एवं वेदांगीय व्याकरण का ऐतिहासिक परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
2. अष्टांग आयुर्वेद का परिचय दीजिए ।
3. कोश शास्त्रीय इतिहास पर निबन्ध लिखिए ।
4. भरत एवं उनके नाट्यशास्त्र का परिचय दीजिए ।
5. सूत्रकारों के साथ–साथ सूत्र–साहित्य का परिचय दीजिए ।
6. वर्गीकरण के साथ संस्कृत व्याकरण की परम्परा को प्रदर्शित कीजिए ।
7. आयुर्वेद के ऐतिहासिक स्वरूप की चर्चा कीजिए ।
8. धर्मशास्त्र की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
9. कोश के उद्भव एवं स्वरूप का व्याख्या विस्तार पूर्वक कीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) आर्यभट्ट–प्रथम
    (ख) सारस्वत सम्प्रदाय
    (ग) कात्यायन
    (घ) सुश्रत

<u>आवश्यक सूचना</u>

आपको ज्ञात है कि आपके पाठ्यक्रम की परीक्षा दिनांक 30.09.2023 से संचालित है, जिसमें Paper-IX की परीक्षा दिनांक 30.09.2023 को प्रथम एवं द्वितीय पाली में आयोजित हुयी । आप में से कतिपय परीक्षार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से लिखित रूप में (BPSC Admit Card के साथ) यह अनुरोध किया था कि उक्त दिवस को हीं BPSC की परीक्षा बिहार के विभिन्न जिलों में आयोजित है । लिखित रूप में प्राप्त अभ्यावेदन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुये विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि, दिनांक 30.09.2023 की परीक्षा से वंचित वैसे परीक्षार्थी जिन्होंने अपना BPSC Admit विश्वविद्यालय में जमा कर दिया है, **वे दिनांक 18.10.2023 को अपराह्न 2.30 से 5.30 के बीच आयोजित की जाने वाली Paper-IX की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं ।** परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए परीक्षार्थियों को **500/– रुपये** का बैंक ड्राफ्ट या SBI Collect का चालान या POS की रसीद के साथ उपस्थित होना होगा ।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2023

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (क) माधे सन्ति त्रयोगुणाः (ख) उपमा कालिदासस्य (ग) काव्य–लक्षणम्

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :–
   (क) पृथिव्यां त्रीणि रत्नं सन्ति । (ख) पुरातनं भारते संस्कृतं जनभाषा आसीत् ।
   (ग) वयं संस्कृतं अपठामः । (घ) हनुमानाय नमः ।
   (ङ) देशाटनस्य बहवः लाभाः अस्ति । (च) वर्धमानैः कमलानि सरोवरः शोभते ।
   (छ) चत्वारः कन्याः सीवन्ति । (ज) नीरजः सुलेखः लिखितः ।
   (झ) भवान् संस्कृतं पठसि लिखसि च । (ञ) अहं श्वः विद्यापयं गच्छिष्यामि ।
   (ट) पुत्रः पितुः समीपं गमति । (ठ) शिष्यः गुरुं सेवति ।
   (ड) विद्वान् सर्वत्र पूज्यन्ते । (ढ) साहित्यं संगीतञ्च मम जीवनेः ।
   (ण) कविभिः कविता कुर्वन्ति । (त) सुपुत्रः पितुः गर्वास्पदः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ख) धारेरुत्तमर्णः (ग) पञ्चमी विभक्तेः
   (घ) सप्तम्यधिकरणे च (ङ) इत्थंभूललक्षणे

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** रेखांकित शब्दों में विभक्ति–निर्देश कीजिए :–
   (क) बालकः सिंहात् बिभोति । (ख) ईश्वराय नमः । (ग) भूपतिः प्रासादम् अधितिष्ठति ।
   (घ) त्वया वेदः पठ्यते । (ङ) केशेषु चमरीं हन्ति ।

5. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
   अस्माकं भारतवर्षं कृषिप्रधानः देशः अस्ति । अस्मिन् देशे बहुसंख्यकाः जनाः ग्रामेषु निवसन्ति । कृषिः एव तेषां मुख्यं जीविकासाधनम् । कृषिं बिना अन्नस्य उत्पादनं न सम्भवति । अन्नाद् एवं जीवनशक्तिम् (ऊर्जाम्) आधाय प्राणिनः प्राणवन्तः गतिशीलाश्च भवन्ति । अस्माकं प्राचीना कृषिव्यवस्था अतीव उन्नता वैज्ञानिकी च आसीत् । वैदिक जनाः स्वकृषिकार्यार्थं मुख्यतया वृष्टिं आश्रिताः आसन् । पशुपालनवृत्तिः कृषिकार्यार्थम् आवश्यकी वर्तते । अतएव वैदिक–साहित्ये गो–चर्चा आयाति । वैदिक जनाः पृथिवीं स्वमातरं मन्यन्ते स्म ।

6. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत व्याख्या कीजिए :–
   (क) विद्या ददाति विनयम् ।
   (ख) सत्यमेव जयते ।
   (ग) उद्योगिनं पुरूषसिंहमुपैति लक्ष्मीः ।

7. बहुव्रीहि अथवा तत्पुरुष समास की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

8. अधोलिखित में से किन्हीं ***आठ*** पदरूपों की प्रयोगसिद्धि सूत्रनिर्देश पूर्वक कीजिए :–
   कृष्णसर्पः, इतिहरिः, भूतपूर्वः, पुत्रकन्ये, छत्रोपानहम्, मधुरापाटलिपुत्रम्, कर्णनासिकम्, प्राचार्यः, अष्टाध्यायी

9. संधि विच्छेद करके किन्हीं ***आठ*** का सूत्रनिर्देश पूर्वक का नाम लिखिए :–
   अधिष्ठानम्, जगदीशः, सम्राट, यद्यपि, रामायणम्, महेश्वरः, मनोरथः, सदैव, प्रेजते

10. (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :–
    ज्येष्ठः, वृद्धः, अनुकूलः, अग्रजः, कृपणः, वृष्टिः, जड, गौरः, सरलः, प्रसादः
    (ii) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
    अमृतम्, कपिः, गङ्गा, सरस्वती, राजा, समुद्रः, सर्पः, पृथ्वी, अग्नि, पक्षी

ꕥ ꕥ ꕥ